ओ३म्

Ved - Vani

वेद - वाणी

Scanned with CamScanner

इनकी यादमें संतोष नथानी,
अमरावती

स्व. हीरीबाई लालचंद नथाणी

Scanned with CamScanner

वेद वाणी

वेद प्रभु-प्रदत्त वह दिव्य ज्ञान है जो सृष्टी के आदि में मनुष्य शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और चारित्रीक उन्नति के पथ-प्रदर्शन के लिए मिला था।

संसार में जितनी ज्ञान-विज्ञान, विद्याएँ और कलाएँ हैं, वे सब वेदों में कहीं बीजरूप में अथवा कहीं विस्तार से विद्यमान हैं।

वेद चार हैं, ऋग्वेद में तृण से लेकर ईश्वर-

पर्यन्त सब पदार्थों का ज्ञान भरा हूआ है। यजुर्वेद यज्ञवेद है और कर्मकाण्ड प्रधान है। अथर्ववेद में ज्ञान, कर्म एवं उपासना तीनों का सम्मिश्रण है। सामवेद उपासना प्रधान है।

वेदों के प्रति पाठकों की जिज्ञासा जागे तथा वे इनके विषय में और जानना चाहें, इसी उद्देश से वेदों के कुछ आदर्श इस पुस्तिका में प्रस्तुत किये जा रहे हैं। प्रतिदिन स्वाध्याय करें एवं लाभ उठाएँ। - प्रकाशक

Scanned with CamScanner

श्रद्धा

श्रद्धया विन्दते वसु ।

(श्रद्धया) श्रद्धा से (वसु) धन (विन्दते) प्राप्त होता है ।

Devotion bestows wealth : material and spiritual.

तप

दिवमारूहत् तपसा तपस्वी ।

(तपस्वी) तपस्वी (तपसा) तप से (दिवम्, आरूहत्) ऊपर उठता है ।

Devout gets enlightened through penance.

Scanned with CamScanner

चरित्र-निर्माण

परि माग्ने दुश्चरिताद् बाधस्वा मा सुचरिते भज। हे प्रभो! तू मुझे दुष्ट आचार से सब ओर से हटा और मुझे उत्तम चरित्र में स्थापित कर।

Oh God, take away evil & bad, and establish good in my character.

प्रसन्नता

विश्वदानीं सुमनसः स्याम।

हम लोग (विश्वदानीम्) सदा (सुमनसः) प्रसन्नचित्त (स्याम) रहें।

Lord, may we people be always happy.

Scanned with CamScanner

सदाचार

मा दुरेवा उत्तरं सुमग्नमुन्नशन्।

(दुरेवाः) दुराचारी (उत्तरं) उत्कृष्ट (सुमग्न) सुख को (मा उत् नशन्) न पाएँ।

People with bad character do not get contentment.

शत्रु-दमन

प्रमृणीहि शत्रून्।

(शत्रून्न) शत्रुओं को (प्रमृणीहि) कुचल डाल!

Crush the enemies.

Scanned with CamScanner

दिव्य भावना

ओजिष्ठोऽहं मनुष्येषु भूयासम् ।

(अहम्) मैं (मनुष्येषु) मनुष्यों में (ओजिष्ठः) ओजस्वीतम (भूयासम्) होऊँ ।

Almighty, make me most energetic amongst the people.

जागृति

भूत्यै जागरणमभूत्यै स्वप्नम् ।।

जागना कल्याण के लिए है और सोना नाश के लिए है ।

Awakening leads to progress, laziness to regress.

Scanned with CamScanner

दान

सहस्त्रहस्त सं किर।

हजारों हाथों से बाँट, दान कर!

Spread and donate with thousands of hands (again and again) generously.

उद्योग

वावृधुः सौभगाय।

(सौभगाय) ऐश्वर्य के लिए (वावृधुः) उद्योग करो!

Work hard for enjoyment.

Scanned with CamScan

स्वावलम्बन

स्वं महिमानमायजताम् ।

(स्वम्) अपनी (महिमानम्) महिमा को (आजजताम्) बढ़ाओ, फैलाओ!

Spread your wisdom.

यशस्वी जीवन,

यशो गृहीत्वा पृथिवीमनु सं चरेम् ।

हम (यश : गृहीत्वा) यशस्वी होकर (पृथिवीम्) पृथिवी पर (अनु सं चरेम्) विचरें ।

Live with glory and honour.

Scanned with CamScanner

वेदाध्ययन

मिमीहि श्लोकमास्ये ।

(श्लोकम्) वेद-मन्त्रण मन्त्रों को (आस्ये) अपने मुख में (मिमीहि) भर ले ।

Learn and practice Ved mantras.

आत्मविश्वास

अहमिन्द्रो न परा जिग्ये ।

(अहम्) मैं (इन्द्र :) इन्द्र हूँ, (न परा जिग्ये) मैं कभी हार नहीं सकता ।

I am Indra, can never be defeated.

Scanned with CamScanner

प्रातः - जागरण

प्राता रत्नं प्रातरित्वा दधाति।

प्रातः जागनेवाला प्रभातवेला में ऐश्वर्य धारण करता है।

Early riser is bestowed with gems of wisdom.

सत्संग

जानता सं गमेमहि।

हम (जानता) ज्ञानी लोगों का (सं गमेमहि) सत्संग करें।

Keep company with wise and intelligent persons.

Scanned with CamScanner

परोपकार

यजध्वं हविषा तना गिरा।

(तना) तन=शरीर (गिरा) वाणी=मन और (हविषा) धन से (यजध्वम्) यज्ञ करो।

Make yourself physically, mentally and abundantly present at the Yajna.

आगे बढ़ो!

उत्क्रामात : पुरूष मान पत्था :।

हे (पुरूष) पुरूष! (अतः) अपनी वर्तमान अवस्था से (उत्क्राम) ऊपर उठ, आगे बढ़! (मा अव पत्था :) नीचे मत गिर!

Man, make progress from your present state, regress ye not.

Scanned with CamScanner

प्रेम

अन्यो अन्यमभि हर्यत ।

(अन्य : अन्यम्) एक –दूसरे को, के साथ (अभि हर्यत) प्रेम करों!

Love each other.

फूट

मिथो विघ्नाना उप यन्तु मृत्युम् ।

(मिथ :) परस्पर (विघ्नाना :) लड़नेवाले (मृत्युम् उपयन्तु) मृत्यु को प्राप्त होते, हो जाते हैं ।

Those who dispute with each other, perish and die.

Scanned with CamScanner

अतिथि-सेवा

गृहे वसतु नोऽतिथिः ।

(नः) हमारे (गृहे) घर में (अतिथिः) अतिथि (वसतु) निवास करे ।

O God, make us hospitable to our guests.

बलिदान

वयं तुभ्यं बलिहृतः स्याम ।

हे मातृभूमे! (वयम्) हम (तुभ्यम्) तेरे लिए (बलिहृतः) बलिदान करनेवाले (स्याम) हों ।

Lord, give us strength to sacrifice for our country.

Scanned with CamScan

प्रेम और माधुर्य

घृतं मे चक्षुरमृतं म आसन्।

मेरी आँख स्नेह, प्रेमयुक्त है मेरा मुख माधुर्य से भरपूर है। भाव यह है कि मेरी दृष्टी में प्रेम और वाणी में माधुर्य है, मिठास है।

There is love in my eyes and sweetness in my tongue.

शिवसङ्कल्प

मे मन : शिवसंकल्पमस्तु।

(मे) मेरा (मनः) मन (शिवसंकल्पम्) शुभ, उत्तम सङ्कल्प करनेवाला (अस्तु) हो।

Let my mind have noble and firm determination.

Scanned with CamScanner

विश्व को आर्य बनाओ !

कृण्वन्तो विश्वमार्यम् ।

(विश्वम्) समस्त संसार को (आर्यम्) आर्य (कृण्वन्त :) बनाते हुए [विचरा]!

Make the whole universe noble.

बाँटकर खाओ !

केवलाघो भवति केवलादी ।

(केवलादी) अकेला खानेवाला (केवल–अघ : भवति) सचमुच पापी होता है ।

One who eats alone (with-out sharing) is really a sinner.

Scanned with CamScan

सिद्धि

राधसे जज्ञिसे ।

हे जीव ! तू (राधसे) सिद्धि के लिए, ईश्वर- प्राप्ती के लिए (जज्ञिषे) उत्पन्न हूआ है ।

O Living Being, you are born to attain excellence and brilliance.

बुद्धि

धियो यो न : प्रयोदयात् ।

(य :) वह जगदीश्वर (नः) हमारी (धिय :) बुद्धियों को (प्रचोदयात्) उत्तम प्रेरणा करे ।

O Lord, stimulate our intellect.

Scanned with CamScan

क्रोध - त्याग

मा क्रुध : ।

(क्रुध :) क्रोध (मा) मत कर !

Do not get angry.

ब्रह्मचर्य से मृत्यु पर विजय

ब्रह्मचर्येण तपसा देवा मृत्युमपान्घत ।

ब्रह्मचर्यरूपी तप के द्वारा विद्वान् लोग मृत्यु को मार भगाते हैं ।

Learned people decelerate death by practicing celibacy (Brahmcharya.)

Scanned with CamScanner

धर्म पर चल !

धर्म प्र यज ।

(धर्म) धर्म का (प्र यज) आचरण करो !

Follow and practice Dharma (virtue, righteousness.)

समय का सदुपयोग

कालो अश्वो वहति ।

(काल : अश्व :) समय - रूपी घोड़ा (वहति) दौड़ रहा है ।

Time is running fast (do not waste it.)

Scanned with CamScanner

आरोग्यता

त्वमगदश्चर

(त्वम्) तू (अगद :) नीरोग रहकर (चर) विचर!

Live disease - free life.

मांसाहार - निषेध

मांसं......नाश्नीयात्।

(मांसम्) मांस (न) नहीं (अश्नीयात्) खाना चाहिए।

Do not eat meat.

Scanned with CamScanner

व्यायाम

खुदंत वाजसातये।

(वाजसताये) बल–प्राप्ती के लिए (खुदत) खेलो, व्यायाम करो।

Play, exercise for gaining vigour.

मित्रता

सखा सखायमतरद् विषूचो :।

(सखा) मित्र (सखायम्) मित्र को (विषूचो:) सङ्कट से (अतरत्) बचाता है।

Friend saves friend from adverse and difficult situation.

Scanned with CamScanner

अहिंसा

मा स्त्रेधत ।

(मा स्त्रेधत) हिंसा मत करो !

Do not be violent.

संगठन

व्रजं कृणुध्वम् ।

(व्रजम्) संगठन (कृणुध्वम्) बनाओ !

Be united.

Scanned with CamScanner

निन्दा - निषेध

मा निन्दत।

(मा निन्दत) निन्दा मत करो!

Do not defame and condemn others.

व्रत - धारण

व्रतं कृणुत।

(व्रतम्) व्रत (कृणुत) धारण करो!

Do things with devotion.

Scanned with CamScanner

गौपालन

पुष्ट्यै गोपालम् ।

(पुष्ट्यै) पुष्टी के लिए (गोपालम्) गोपालक बनो !

Be cow protector for strength and prosperity.

सत्य - भाषण

अहमनृतात्सत्यमुपैमि ।

(अहम्) मैं (अनृतात्) झूठ से परे हटकर, असत्य को त्यागकर (सत्यम्) सत्य को (उप, एमि) प्राप्त होता हूँ ।

I must practice truth, after abandoning untruth.

Scanned with CamScanner

चोरी - त्याग

न स्तेयमद्मि ।

मैं (स्तेयम्) चोरी करके (न) नहीं (अद्मि) खाता ।

I do not eat out of stolen wealth.

जुआ - निषेध

अक्षैर्मा दीव्य : ।

(अक्षै :) पाशों से, जुआ (मा) मत (दिव्य :) खेल !

Do not gamble.

Scanned with CamScanner

पुरुषार्थ कर !

उत्क्राम महते सौभगाय ।

(महते) महान् (सौभगाय) सौभाग्य के लिए (उत्, क्राम) बल लगा, पुरुषार्थ कर !

Work hard for good luck and wealth.

अलोभ

मा गृध : ।

(गृध :) लोभ, लालच (मा) मत कर!

Do not be greedy.

Scanned with CamScanner

कर्म करो

सखाय : क्रतुमिच्छत ।

(सखाय :) मित्रो ! (क्रतुम्) कर्म की, कर्म करने की (इच्छत) इच्छा करो !

Friends, create will not work.

मृत्यु का शासन

मृत्युरीशे ।

(मृत्यु :) मृत्यु (ईशे) सब पर शासन करता है ।

Death rules everyone.

Scanned with CamScanner

मधुर भाषण

मधुमतीं वाचमुदेयम्

(मधुमतीम्) मीठी (वाचम्) वाणी (उदेयम्) बोलूँ।

Let our speech be sweet.

निर्भयता

मा भेर्या संविक्था :

(मा) मत (भे :) डर (मा) मत (संविक्था :) घबरा!

Do not be afraid of any one.

Scanned with CamScanner

आलसी और बकवादी न बन।

मा नो निद्रा ईशत मोत जल्पि : ।

(न :) हमपर (मा) न तो (निद्रा) आलस्य (ईशत) शासन करे, (उत) और (मा) न (जल्पि :) बकवास !

Neither laziness nor gossip should ever rule us.

मनुष्य बन !

मनुर्भव ।

(मनु :) मनुष्य (भव) ही बन !

Be humane .

Scanned with CamScanner

सूर्य का अनुवर्तन

अहं भूयासं सवितेव चारु: ।

(अहम्) मैं (सविता इव) सूर्य के समान (चारु:) सुन्दर (भूयासम्) होऊँ।

God, make me esteemed like Sun.

बुढ़ापे से पूर्व मत मर !

मा पुरा जरसो मृथा: ।

(जरस :) बुढ़ापे से (पुरा) पहले (मा) मत (मृथा:) मर !

Do not die before old age.

Scanned with CamScanner

जीवन से जीवन

अग्निनाग्नि : समिध्यते ।

(अग्निना) अग्नि से (अग्नि :) अग्नि (सम्+इध्यते) जलती है।

Fire burns fire.

बलवान् - बनो !

आ वृषायस्व ।

(आ, वृषायस्व) बलवान् होओ, बनो !

Be strong.

Scanned with CamScanner

विनम्र बनो !

पर्णाल्लघीयसी भव ।

हे मानवा ! तू पर्ण = पत्ते से भी हल्का बन, अर्थात् नम्र बन !

Be extremely polite.

सत्य बोलो !

वाच : सत्यमशीलय ।

मैं अपनी वाणी में सत्य को प्राप्त करूँ ।

Let me attain truth in my speech.

Scanned with CamScanner

सहनशील बनो !

अहमस्मि महमान : ।

अरे ! मैं तो अत्यन्त सहनशील हूँ ।

I am extremely tolerant.

दानी बनो !

न तदको अस्ति ।

अदाता का घर घर ही नहीं है ।

Home is not a home, if charity is not given.

Scanned with CamScanner

स्वाध्यायशील बनो !

स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्

स्वाध्याय और वेदोपदेश में कभी प्रमाद न करना।

Do not be lazy in self-introspection and listening Vedic sermons.

ईश - भक्तो बनो !

यस्तन्न वेद किमृचा करिष्यति।

जो उसे = ईश्वर को नहीं जानता, उसे वेदों से भी क्या लाभ होगा?

One who does not know God, even knowledge of Vedas can't help.

Scanned with CamScan

दुर्गुण त्यागो !

युयोध्यस्मज्जुहुराणमेन : ।

प्रभो ! हमसे कुटीलता - युक्त पाप को दूर कर दीजीये ।

O God, keep us away from sinful thoughts.

चरित्रवान् बनो !

स्वयं वाजिंस्तन्वं कल्पयस्व ।

हे मानव ! शक्तिशालिन् ! अपने जीवन का निर्माण करो । अपने चरित्रों को उन्नत बनाओ !

Man, build your life and character.

Scanned with CamScanner

जितेन्द्रिय बनो !

भद्रं कर्णेभि : श्रृणुयाम देवा भद्रं
पश्येमाक्षभिर्यजत्रा : ।

हम कानों से कल्याणकारी वचनों को सुनें तथा आँखों से सुख प्रदायक दृश्यों को देखें ।

O Lord, let us hear only soothing speeches from ears and see only auspicious scenes from eyes.

जीवन व्यर्थ न खो !

इयं ते यज्ञिया तनू : ।

हे मानव ! तूझे यह शरीर ईश्वर – प्राप्ती के लिए मिला है ।

Man, you have been bestowed this life for doing good and attaining God.

Scanned with CamScanner

कर्त्तव्यपालक बनो !

स्वेन क्रतुना संवदेत ।

मनुष्य अपने कर्म द्वारा बोले, अर्थात् केवल बातें न बनाये, कर्म करके दिखाये ।

Let man speak through his actions.

भाइयों से प्रेम करो !

मा भ्राता भ्रातरं द्विक्षत् ।

भाई – भाई में द्वेष न करें, भाई – भाई से न लड़ें और न झगड़ें ।

Let brother be not jealous of brother. Let brothers not fight amongst themselves.

Scanned with CamScanner

आदर्श मार्ग पर चलो !

जीवास्थ जीव्यासम् ।

स्वयं जियो और दूसरों को जीने दो ।

Live and let live.

तेजस्वी बनें

उद्वयं तमसस्परि ।

हम अन्धकार से ऊपर उठें ।

Let us rise above darkness.

Scanned with CamScanner

हम देवता बनें

वर्षं वनुष्वापि गच्छ देवान्।

उत्तम कार्य कर और देवता = फ़रिश्ता बन जा।

Do noble deeds and become angel.

जूस मत बनो

मा पणिर्भू:।

तू कृपण= कंजूस मत बन।

Do not be mister.

Scanned with CamScanner

कल्याणकारी बन

शिवो भू : ।

हे जीवात्मन् ! तू सबका कल्याण करनेवाला बन ।

Be well - wisher of all.

सुकर्मा बन

त्वं सोम क्रतुभि : सुक्रतुर्भू : ।

हे सौम्य ! विनम्र स्वभाव ! तू अपने कर्मों से उत्तम कर्मकर्त्ता बन ।

You are sweet-hearted : be polite and good doer.

Scanned with CamScanner

लालच मत कर

मा गृध ! कस्य स्विद्धनम् ।

हे जीवात्मन् ! तू किसी के धन का लालच मत कर, यह धन किसका है? किसी का नहीं। यह आज तक किसी कें साथ नहीं गया भविष्य में जाएगा भीं नहीं ।

Covet not. Whose wealth is this?

आत्मा से प्रीति

अग्ने तन्वं जुषस्व ।

हे ज्ञानिन् ! तू अपनी आत्मा से प्रीति कर ।

O Wise man, enlighten thy soul.

Scanned with CamScanner

धुन के धनी

धुनयो यन्त्यर्थम् ।

धुन के धनी अपने लक्ष्य को प्राप्त करते हैं ।

People with firm determination are successful in attaining their aims.

वेगवान् बनो

वातर ँ्हा भव वाजिन् ।

हे वाजिन् ! शक्तिशालिन् ! तू वायू के समान तीव्रगामी बन ।

O Strong man, be swift like air.

Scanned with CamScanner

दोषों को नष्ट कर

स ॅ्सीदस्व महाँ २।। ऽसि ।

हे ज्ञानिन् ! तू महान है, अत : अपने सभी दोषों को नष्ट कर डाल ।

O Wise man, your are great. Come over your shortcomings.

उत्साही बनो

मा भेर्मा संविक्थाऽऊर्जं धत्स्व ।

मत डरो, मत घबराओ, उत्साही बनो ।

Do not fear, be courageous.

Scanned with CamScanner

गिलकर चलो

सं गच्छध्वं सं वदध्वम् ।

मिलकर चलो, मिलकर बोलो ।

Walk unitedly and speak unitedly.

पुत्र

अनुव्रत : पितु : पुत्र : ।

पुत्र पिता का अनुवर्त्तन करनेवाला हो ।

Let son follow the ideals of his father.

Scanned with CamScanner

ऋणी न बनो

अनृणा : स्याम।

हम किसी के ऋणी न हों।

Let us not be in debt of any body.

मित भोजन

अग्ने तौलस्य प्राशान।

हे जीवात्मन्! तू तोलकर भोजन किया कर।

Eat small quantity.

Scanned with CamScanner

जैसी करणी वैसी भरणी

अघमस्त्वघकृते ।

बुरा करनेवाले का बुरा होता है ।

He who does ill for others, himself suffers.

माया मिली न राम

न देवत्वं पणयो नानशुर्मघम् ।

बनिये की वृत्तीवाले को न परमामात्मा की प्राप्ती होती है, न धन की ।

Dice or stake player neither gets God nor wealth.

Scanned with CamScanner

अपने कर्मों से बोलें

स्वेन क्रतुना सं वदेत।

मनुष्य अपने कर्म से बोले।

Let man speak through his actions.

फूट

मिथो विघनाना उप यन्तु मृत्युम्।

परस्पर लड़नेवाले मृत्यु का ग्रास बनते हैं।

Those who fight amongst themselves, finish themselves and die.

Scanned with CamScanner

उत्तम चाल चल

प्रणीतीरभ्यावर्तस्व ।

सब ओर से उत्तम चालों को बर्ताव में ला–उत्तम चाल चल ।

Take best step from every side.

हाथ उठाकर नमस्कार

उत्तानहस्तो नमसा विवासेत् ।

हम हाथ (जोड़कर) नमस्कार से आदर– सत्कार करें ।

Let us wish with respect after raising and folding our hands.

Scanned with CamScanner

ओ३म्

सत्यार्थ प्रकाश - एक पारस मणि

क्या आप विश्व की सबसे क्रांतीकारी एवं ज्ञानवर्धक पुस्तक पढ़ना चाहते हैं जिसके रचयिता महर्षि दयानन्द ने १८७५ ई. में इस अपूर्व क्रांतीकारी पुस्तक की रचना करके तत्कालीन विश्व के १.५० अरब मनुष्यों को चुनौती दी।

यह अपूर्व पुस्तक संसार की कई भाषाओं में प्रकाशित हो चुकी है लाखों निराश व्यक्ती इस पुस्तक ''सत्यार्थ प्रकाश'' के द्वारा सफलता की उच्च सीढ़ीयों पर चढ़ चुके है। गुरुकुल कांगडी के संस्थापक स्वामी श्रद्धानन्द जी का कहना है कि ''सत्यार्थ प्रकाश'' ने लाखों मनुष्यों की काया कल्प की है भगतसिंग, राजगुरु, चन्द्रशेखर, रामप्रसाद बिस्मिल ने इसी पुस्तक के द्वारा प्रेरणा प्राप्त करके ही अंग्रेजी सरकार की नाक में नकेल डाली थी। यदि आपकी व्यापारिक, राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक या आर्थीक समस्या है तो आप ''सत्यार्थ प्रकाश'' का अध्ययन करें। विश्व की सभी राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक व आर्थीक समस्या का महर्षि दयानन्द ने समाधान दिया हैं।

गांधी, नेहरू, सुभाषचन्द्र बोस, जगजीवनराम, सरदार पटेल, लाला लजपतराय, गोखले इ. सभी महापूरुषों ने इस महान पुस्तक की मुक्त कण्ठ से प्रशंसा की है तथा प्रेरणा प्राप्त की। आज ही इस क्रांतीकारी पुस्तक को मंगवाकर अपना तथा अपने परिवार की कायाकल्प करें तथा सुलता के उच्च मानदण्ड प्राप्त करें।

Scanned with CamScanner

-:प्राप्ती हेतू संपर्क :-

न्यु प्रताप क्लॉथ स्टोअर्स
जवाहर रोड, अमरावती (महा.)
फोन नं. ०७२१-२५७६९५

पंकज ट्रेडर्स
खत्री कॉम्प्लेक्स, अमरावती (महा.)
फोन नं. ०७२१-२५९०७७३

आर्य समाज मंदिर
गांधी चौक, अमरावती (महा.)

ई वैदिक पुस्तकालय मुम्बई
सम्पर्क ९०२९४२१७१८

Scanned with CamScanner